Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding speedy completion of the proposed railway line from Muzaffarpur to Chapra and allocation of funds for the same.

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण): सभापति महोदय, मैं जो विषय उठा रहा हूं यह मेरे जिले से जुड़ी हुई है और उत्तर बिहार के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है । वर्ष 2007-08 में एक रेलवे लाइन के निर्माण की स्वीकृति बजट 2007-08 में हुई थी, जो छपरा से मुजफ्फरपुर के लिए थी । जिस समय इस योजना को स्वीकृत किया गया था, उस समय इस योजना की लागत चार सौ करोड़ रुपये थी । वहां काम भी शुरू हो गया, किसानों ने अपनी जमीन भी दे दी । इस कार्य के लिए रेलवे ने पैसे भी दे दिए, काम की शुरूआत भी हो गई, कुछ – कुछ स्थानों पर काम पूरा भी कराया गया । यहां तक कि गंडक नदी पर पाइलिंग कर दिया गया । यह योजना वर्ष 2007-08 में शुरू हुई थी, अभी सरकार ने उत्तर दिया है कि 2007-08 की 400 करोड़ रुपये की योजना बढ़ कर आज 2600 करोड़ रुपये की हो गई है ।

महोदय, 400 करोड़ रुपये लग भी चुके हैं, अब इस योजना की लागत 2600 करोड़ रुपये है । पिछले बजट और उसके पूर्व के बजट में एक रुपया भी इस योजना के लिए नहीं दिया गया है । इस प्रकार की कोई बड़ी योजना शुरू होती है और उसको बीच में छोड़ देती है तो जिन किसानों ने अपनी जमीन दी है या फिर सरकार का चार सौ करोड़ रुपये खर्च हुआ है ।

मैं सरकार से आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूं कि मुजफ्फरपुर-छपरा रेलवे लाइन वर्षों से लंबित है, लगभग बारह वर्षों से लंबित है, उसमें राशि आबंटित की जाए, क्योंकि किसानों ने अपनी जमीन दे दी है, ताकि उत्तर बिहार के लोगों को लाभ हो सके । मैं आपके माध्यम से सरकार से यह आग्रह करना चाहता हूं ।